भजन

तर्ज–वो दिल कहां से लाऊं

जी भर गया जहां से,वापिस हमें बुला लो
दर दर की ठोकरों से,प्रीतम हमें बचा लो

1–झूठी ये दुनिया सारी, जालिम है ये जमाना
दुख दर्द की है मारी,इसका है ये फसाना
मत पूछो दिल की हालत,बस चरणो में बुला लो

2–सच ही कहा था तुमने, देखोगी क्या जमाना
झूठे ही मोह में फंसकर, हमको है भूल जाना
तड़पे तुम्हारी याद में,आओ पिया बचा लो

3–मुश्किल है तुम बिन हाय,इक पल यहां बिताना
तोबा ये अब हमारी,यहां फिर कभी न आना
या सामने आ जाओ,या हमको ही बुला लो